



[मेरा दर्द शायरी](#)

खुद को खो दिया हमने,
अपनों को पाते पाते
लोग कहते हैं हम मुश्कुराते बहोत हैं ,
और हम थक गए दर्द छुपाते छुपाते
खुश हूँ और सबको खुश रखता हूँ,
लापरवाह हूँ फरि भी सबकी परवाह करता हूँ.
मालूम है कोई मोल नहीं मेरा.....
फरि भी,
कुछ अनमोल लोगो से रश्िता रखता हूँ.....!
क्या हुआ अगर जदिगी मेंहमतन्हा है ???
लेकनि इतनी अहमयित तो
दोस्तो में बना ही ली है कऱि..
मेला लग जायेगा उस दनि शमशान में,
जसि दनिमेंचला जाँऊगा आसमान में!!